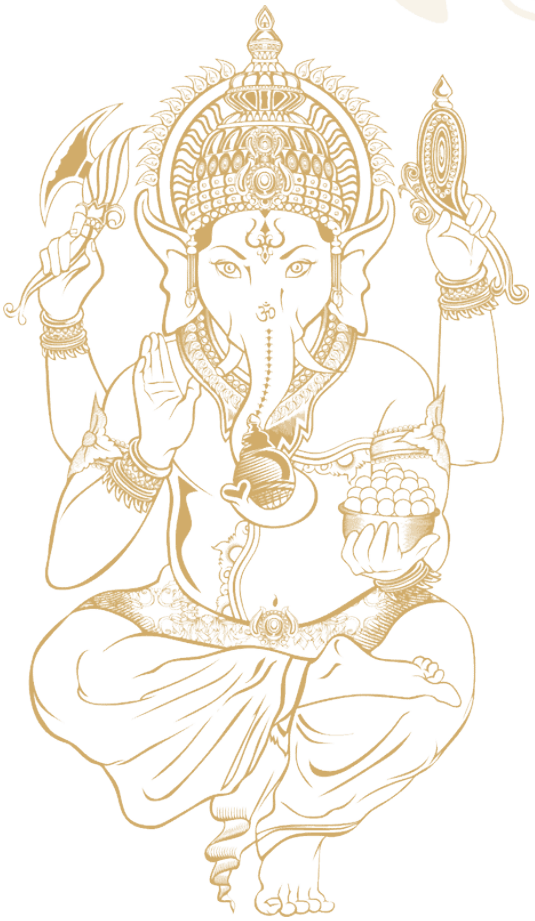

# Shekhar Medha

Model: Love-Horoscope

Order No: 121277001

Model: Love-Horoscope

Order No: 121277001 Date: 14/02/2026

| | | |
|---|---|---|
| पुल्लिंग | लिंग | स्त्रीलिंग |
| 14/09/1992 | जन्म तिथि | 11/10/1994 |
| सोमवार | दिन | मंगलवार |
| घंटे 21:20:00 | जन्म समय | 17:29:00 घंटे |
| घटी 38:05:54 | जन्म समय(घटी) | 27:53:45 घटी |
| India | देश | India |
| Delhi | स्थान | Muzaffarnagar |
| 28:39:00 उत्तर | अक्षांश | 29:28:00 उत्तर |
| 77:13:00 पूर्व | रेखांश | 77:42:00 पूर्व |
| 82:30:00 पूर्व | मध्य रेखांश | 82:30:00 पूर्व |
| घंटे -00:21:08 | स्थानिक संस्कार | -00:19:12 घंटे |
| घंटे 00:00:00 | ग्रीष्म संस्कार | 00:00:00 घंटे |
| 06:05:38 | सूर्योदय | 06:18:02 |
| 18:27:10 | सूर्यास्त | 17:53:41 |
| 23:45:36 | चित्रपक्षीय अयनांश | 23:47:15 |

| | | |
|---|---|---|
| मेष | लग्न | मीन |
| मंगल | लग्न लग्नाधिपति | गुरु |
| मीन | राशि | धनु |
| गुरु | राशि-स्वामी | गुरु |
| रेवती | नक्षत्र | पूर्वाषाढ़ा |
| बुध | नक्षत्र स्वामी | शुक्र |
| 4 | चरण | 3 |
| वृद्धि | योग | अतिगण्ड |
| वणिज | करण | विष्टि |
| ची-चिराग | जन्म नामाक्षर | फा-फाल्गुनी |
| कन्या | सूर्य राशि(पाश्चात्य) | तुला |
| विप्र | वर्ण | क्षत्रिय |
| जलचर | वश्य | मानव |
| गज | योनि | वानर |
| देव | गण | मनुष्य |
| अन्त्य | नाड़ी | मध्य |
| सिंह | वर्ग | मूषक |

# ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

| विंशोत्तरी | | अंश | राशि | ग्रह | राशि | अंश | विंशोत्तरी | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| बुध 3वर्ष 10मा 3दि | | 27:32:04 | मेष | लग्न | मीन | 16:42:48 | शुक्र 9वर्ष 6मा 26दि | |
| सूर्य | | 28:18:37 | सिंह | सूर्य | कन्या | 24:09:25 | मंगल | |
| 20/07/2023 | | 26:59:11 | मीन | चंद्र | धनु | 20:17:07 | 07/05/2020 | |
| 19/07/2029 | | 07:36:17 | मिथु | मंगल | कर्क | 10:01:16 | 08/05/2027 | |
| सूर्य | 06/11/2023 | 27:52:05 | सिंह | बुध व | तुला | 12:23:07 | मंगल | 04/10/2020 |
| चन्द्र | 07/05/2024 | 00:40:16 | कन्या | गुरु | तुला | 23:23:17 | राहु | 22/10/2021 |
| मंगल | 12/09/2024 | 23:23:59 | कन्या | शुक्र | तुला | 24:09:51 | गुरु | 28/09/2022 |
| राहु | 06/08/2025 | 18:51:27 | मक व | शनि व | कुंभ | 12:35:30 | शनि | 07/11/2023 |
| गुरु | 25/05/2026 | 02:31:40 | धनु व | राहु | तुला | 21:19:23 | बुध | 03/11/2024 |
| शनि | 07/05/2027 | 02:31:40 | मिथु व | केतु | मेष | 21:19:23 | केतु | 01/04/2025 |
| बुध | 13/03/2028 | 20:18:48 | धनु व | हर्ष | धनु | 28:38:20 | शुक्र | 01/06/2026 |
| केतु | 19/07/2028 | 22:28:03 | धनु व | नेप | धनु | 26:48:29 | सूर्य | 07/10/2026 |
| शुक्र | 19/07/2029 | 26:58:13 | तुला | प्लूटो | वृश्चि | 02:40:41 | चन्द्र | 08/05/2027 |

व - वकी  स - स्थिर
अ - अस्त  पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

**23:45:36  चित्रपक्षीय अयनांश  23:47:15**

## लग्न-चलित

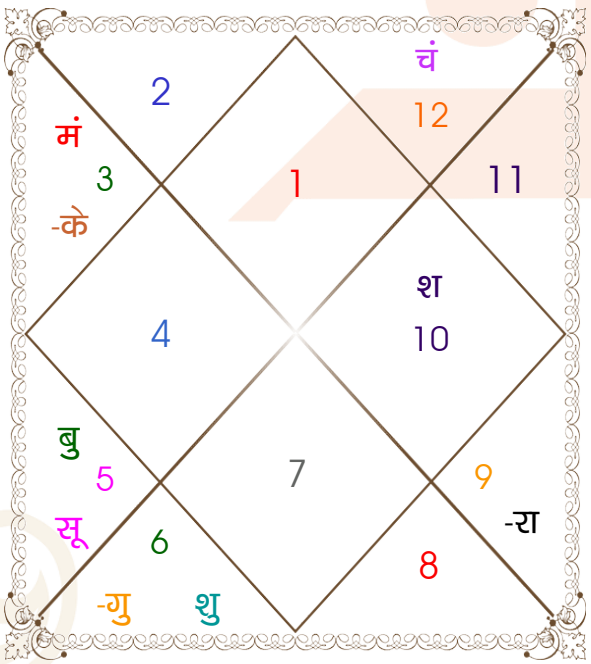


## लग्न-चलित

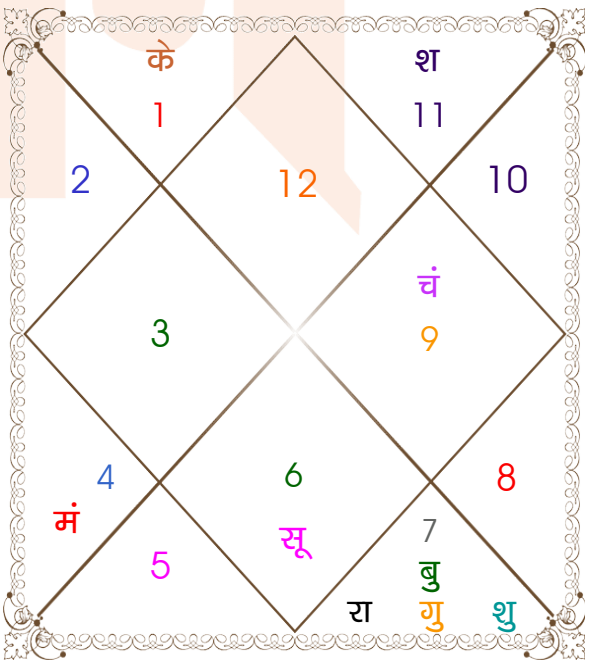



Acharya Ashok Shukla Vedpathi  Shiva Shiv Astrology Research Centre
Brahmavidyapeeth Shukatirtha
9897180017
ashok.shukla.mzn@gmail.com

## अष्टकूट गुण सारिणी

| कूट | वर | कन्या | अंक | प्राप्त | दोष | क्षेत्र |
|---|---|---|---|---|---|---|
| वर्ण | विप्र | क्षत्रिय | 1 | 1.00 | -- | जातीय कर्म |
| वश्य | जलचर | चतुष्पाद | 2 | 1.00 | -- | स्वभाव |
| तारा | मित्र | विपत | 3 | 1.50 | -- | भाग्य |
| योनि | गज | वानर | 4 | 2.00 | -- | यौन विचार |
| मैत्री | गुरु | गुरु | 5 | 5.00 | -- | आपसी सम्बन्ध |
| गण | देव | मनुष्य | 6 | 6.00 | -- | सामाजिकता |
| भकूट | मीन | धनु | 7 | 7.00 | -- | जीवन शैली |
| नाड़ी | अन्त्य | मध्य | 8 | 8.00 | -- | स्वास्थ्य/संतान |
| कुल : | | | 36 | 31.50 | | |

कुल : **31.5 / 36**





**Acharya Ashok Shukla Vedpathi  Shiva Shiv Astrology Research Centre**
Brahmavidyapeeth Shukatirtha
9897180017
ashok.shukla.mzn@gmail.com

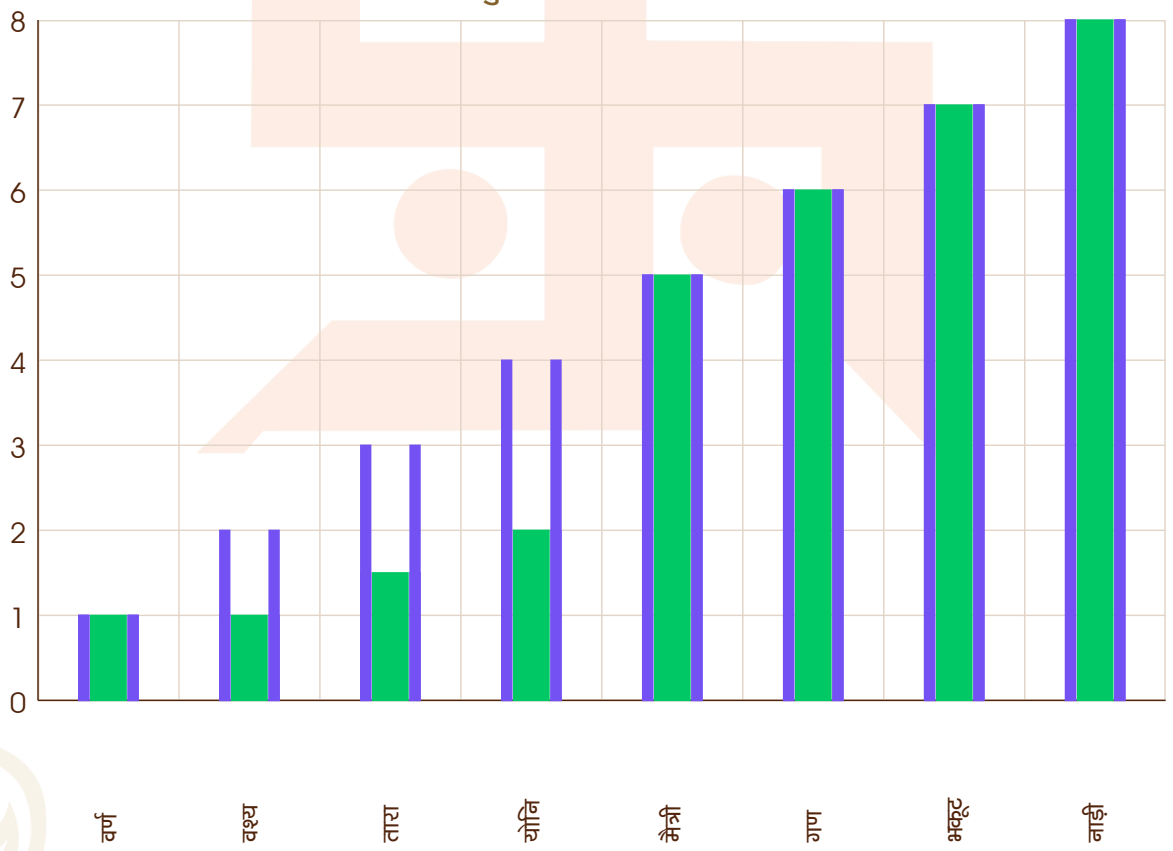

# अष्टकूट मिलान

Shekhar का वर्ग सिंह है तथा डमकीं  का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर मित्रता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Shekhar और डमकीं  का मिलान अत्युत्तम है।

## मंगलीक दोष मिलान

Shekhar मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है।

डमकीं  मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में पंचम् भाव में स्थित है।

Shekhar तथा डमकीं  में मंगलीक मिलान ठीक है।

## निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

# अष्टकूट फलादेश

## वर्ण

Shekhar का वर्ण ब्राह्मण तथा डमकीं का वर्ण क्षत्रिय है। अतः यह मिलान अति उत्तम है। जिसके प्रभाव से डमकीं में अपने पति के प्रति अगाध प्रेम, श्रद्धा एवं सम्मान की भावना रहेगी। कभी-कभी क्षत्रिय खून की गर्मी भी समय-समय पर उबाल मारने के कारण समय-समय पर डमकीं आक्रामक व्यवहार कर सकती हैं हालांकि उनका व्यवहार कभी भी अनियंत्रित नहीं होगा। डमकीं सदैव अपने उत्तरदायित्व का निर्वहन भली-भांति करती रहेंगी तथा वे सदैव प्रशंसा की पात्र रहेंगी।

## वश्य

Shekhar का वश्य जलचर है एवं डमकीं का वश्य चतुष्पद है। अतः यह मिलान औसत मिलान ही है। जलचर एवं चतुष्पद सामान्यतः एक-दूसरे के लिए सम हैं। दोनों के बीच न ही प्रेम की भावना होगी और न ही शत्रुता तथा दोनों का प्रकृति में स्वतंत्र अस्तित्व रहेगा। कुंडली मिलान में दोनों के दृष्टिकोण, सोच एवं व्यवहार में पूर्णतः भिन्नता रहते हुए भी विवाह को स्वीकृति प्रदान की गयी है क्योंकि दोनों एक-दूसरे को किसी प्रकार का नुकसान नहीं पहुंचायेंगे तथा अपने-अपने तरीके से अपने कर्त्तव्यों एवं दायित्वों का निर्वहन करते रहेंगे।

## तारा

Shekhar की तारा मित्र तथा डमकीं की तारा विपत है। डमकीं की तारा विपत होने के कारण यह मिलान औसत मिलान ही है। यह मिलान Shekhar एवं उसके परिवार के लिए दुर्भाग्य एवं नुकसान का कारण बन सकता है। परन्तु कड़े एवं लगातार प्रयासों के बाद परिणाम सुखदायी हो सकता है। संभव है कि डमकीं का रुख सहयोगात्मक नहीं हो तथा आपसी विश्वास, प्रेम एवं समझ की कमी बनी रहे। अक्सर पति एवं पत्नी के बीच संघर्ष एवं लड़ाई-झगड़े रह सकते हैं तथा बच्चे भी इसका गलत फायदा उठायेंगे। जिसके कारण संभव है कि बच्चे योग्य एवं आज्ञाकारी नहीं हों।

## योनि

Shekhar की योनि गज है तथा डमकीं की योनि वानर है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच उदासीनता का अर्थात सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनों के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन में सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार में तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनों एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे जिससे दोनों के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनों के बीच आपसी समझ की कमी भी रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि दोनों के बीच अवैध संबंध को लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव भी हो सकता है। बात-बात में

दोनों के बीच में कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो सकता है। वर या कन्या में से कोई भी विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा भी हो सकता है। इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन परिश्रम की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलता कम ही मिलेगी। अर्थात मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द्र की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

## मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Shekhar एवं डमकीं दोनों के राशि स्वामी समान हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्यातिष की दृष्टि से यदि Shekhar एवं डमकीं दोनों के राशि स्वामी एक ही होने के कारण कुंडली मिलान में इसे अति उत्तम माना जाता है तथा पूरे 5 अंक प्रदान किए जाते हैं। जिसके कारण दोनों में असीम प्रेम बना रहेगा तथा साथ ही दोनों जीवन के हर क्षेत्र में एक-दूसरे का सहयोग करते रहेंगे। इनका प्रयास रहेगा कि वे स्वयं को आदर्श दम्पत्ति साबित कर सकें। इनके बच्चे योग्य, आज्ञाकारी, सफल एवं यशस्वी होंगे।

## गण

Shekhar का गण देव तथा डमकीं का गण मनुष्य है। अर्थात दोनों का गण कूट मिलान हो रहा है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों दयालु, सहृदय, मृदु, सौम्य एवं एक-दूसरे का ख्याल रखने वाले होंगे। किंतु डमकीं अधिक व्यावहारिक, मिलनसार, परिश्रमी, बुद्धिमान तथा महत्वाकांक्षी होंगी जो कि भौतिकवादी संसार में अपना अस्तित्व बनाए रखने तथा घर-परिवार चलाने के लिए आवश्यक है। दोनों अपने पारिवारिक, सामाजिक एवं व्यावसायिक जिम्मेवारियों का पूर्णरूपेण निर्वहन करते हुए हर सुख-सुविधाओं से युक्त सुखी जीवन व्यतीत करेंगे।

## भकूट

Shekhar से डमकीं की राशि दशम भाव में स्थित है तथा डमकीं से Shekhar की राशि चतुर्थ भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण Shekhar एक पारिवारिक व्यक्ति होंगे तथा अपनी पत्नी एवं बच्चों समेत परिवार के हर सदस्य की देखभाल करेंगे। उन्हें अपने संबंधियों से ही खुशी प्राप्त होगी तथा उनकी पत्नी सदैव कर्त्तव्यों के निर्वहन में उनकी मदद करती रहेंगी। डमकीं को घर, वाहन, मां का प्यार समेत जीवन में हर

सुख एवं खुशी प्राप्त होगी। डमर्की  हमेशा अपने पति की परछाईं बनकर सदैव उनकी सहायता करती रहेंगी।

## नाड़ी

Shekhar की नाड़ी अन्त्य है तथा डमर्की  की नाड़ी मध्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। अन्त्य एवं मध्य नाड़ी दो महत्वपूर्ण जीवनी शक्तियों पित्त एवं कफ की कारक हैं। जिसके कारण दम्पत्ति का परस्पर प्रेम, अनुकूलता, अच्छा भविष्य, सहयोग की भावना बनी रहेगी। आपकी संतान शक्तिशाली, बुद्धिमान, आज्ञाकारी एवं भाग्यशाली होंगी।

# मेलापक फलित

## स्वभाव

Shekhar की जन्म राशि जलतत्व युक्त मीन तथा डमकीं की राशि अग्नि तत्व युक्त चन्द्र है। अतः इसके प्रभाव से यद्यपि Shekhar और डमकीं के मध्य स्वाभाविक प्रवृतियों में किंचित असमानता होगी परन्तु सामंजस्य स्थापित करने में ये समर्थ होंगे जिससे संबंधों में मधुरता रहेगी तथा वैवाहिक जीवन सुखी रहेगा। अतः मिलान सामान्य रहेगा।

Shekhar एवं डमकीं की राशि का स्वामी बृहस्पति है। अतः इसके प्रभाव से इनके मध्य प्रेम सहानुभूति तथा समर्पण का भाव रहेगा तथा एक दूसरे के प्रति आत्मिक लगाव रहेगा जिससे दाम्पत्य संबधों में प्रगाढ़ता रहेगी। वे एक दूसरे के गुणों की मुक्त भाव से प्रशंसा तथा कमियों की उपेक्षा करेंगे एवं सुख दुख में एक दूसरे को पूर्ण सुख तथा सहयोग प्रदान करने में तत्पर रहेंगे। अतः Shekhar और डमकीं का दाम्पत्य जीवन सुख शांति एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

Shekhar और डमकीं की राशियां परस्पर दशम एवं चतुर्थ भाव में पड़ती हैं। शास्त्रानुसार यह शुभ भकूट माना जाता है अतः इसके प्रभाव से Shekhar और डमकीं एक दूसरे के लिए सौभाग्यशाली सिद्ध होंगे तथा सांसारिक सुखों को अर्जित करके सुख पूर्वक उनका उपभोग करेंगे। वे एक दूसरे के प्रति विश्वास तथा त्याग का भाव भी रहेगा जिससे आत्मिक संबंधों में गहनता आएगी तथा दाम्पत्य जीवन आनंद पूर्वक व्यतीत होगा।

Shekhar का वश्य जलचर तथा डमकीं का वश्य चतुष्पद है। अतः इनमे नैसर्गिक विषमता के कारण अभिरूचियों में भिन्नता रहेगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर भी आवश्यकताएं भिन्न रहेगी। फलतः कामसम्बंधों में भी एक दूसरे को प्रसन्न तथा संतुष्ट करने में समर्थ नहीं होंगे।

Shekhar का वर्ण ब्राह्मण तथा डमकीं का वर्ण क्षत्रिय है। अतः Shekhar की प्रवृति शैक्षणिक तथा धार्मिक कार्यो में रहेगी तथा डमकीं पराक्रमी तथा साहसिक कार्यो को करने में प्रवृत रहेंगी। अतः परस्पर सन्तुष्टि का भाव रहेगा।

## धन

Shekhar और डमकीं दोनों की तारा परस्पर सम है। अतः आर्थिक स्थिति पर इसका कोई विशेष प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य गति से धन एवं लाभ अर्जित करने में दोनों तत्पर रहेंगे। भकूट भी सम ही रहेगा जिससे उनके लाभमार्ग स्वबुद्धिमता एवं परिश्रम से प्रशस्त रहेंगे। मंगल का भी उनकी आर्थिक स्थिति पर कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा। इस प्रकार उनके अर्थिक स्तर पर कोई विशेष नाटकीय परिवर्तन की संभावना नहीं होगी परन्तु सामान्य जीवन धनऐश्वर्य से युक्त होकर व्यतीत होगा।

इसके साथ ही कोई विशेष या अचानक लाभ के योगों में भी न्यूनता होगी तथा

आर्थिक स्तर अपने ही अनुकूल रहेगा जिससे वे आर्थिक रूप से सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे।

## स्वास्थ्य

Shekhar की नाड़ी अन्त्य तथा डमकीं की नाड़ी मध्य है। अतः अलग अलग नाड़ियों में उत्पन्न होने के कारण नाड़ी दोष से ये मुक्त रहेंगे। इसके प्रभाव से इनका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा तथा अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण सांसारिक कार्यो को परिश्रम एवं पराक्रम से सिद्ध करने में समर्थ होंगे। साथ ही मंगल भी इन दोनों के लिए शुभ ही रहेगा तथा इनके स्वास्थ्य पर इसका कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा। अतः इनका दाम्पत्य जीवन सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा। इस प्रकार उत्तम वैवाहिक जीवन के लिए यह मिलान श्रेष्ठ रहेगा।

## संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से Shekhar और डमकीं का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त Shekhar और डमकीं के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में डमकीं के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन डमकीं को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में डमकीं को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से Shekhar और डमकीं सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार Shekhar और डमकीं का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

## ससुराल-सुश्री

डमकीं के सास के साथ संबध विशेष अच्छे नहीं रहेंगे। साथ ही आयु में पर्याप्त अन्तर होने के कारण इन के मध्य अनावश्यक मतभेद रहेंगे। लेकिन यदि दोनों परस्पर सामंजस्य एवं बुद्धिमता से व्यवहार करेंगे तो संबधों में मधुरता की वृद्धि होगी तथा तनाव में न्यूनता आएगी।

ससुर से भी डमकीं को इच्छित स्नेह तथा सहानुभूति अल्प मात्रा में ही प्राप्त होगी। अतः डमकीं को चाहिए कि ससुर की सेवा, सुख सुविधा तथा आराम का पूर्ण ध्यान रखें। इससे उनसे स्नेह के भाव में वृद्धि हो सकती है। लेकिन देवर तथा ननदों के साथ डमकीं के

संबध अच्छे रहेंगे तथा परस्पर सार्थक सामंजस्य का भाव रहेगा तथा मित्रता पूर्ण व्यवहार करके उनसे स्नेह तथा सहानुभूति को प्राप्त करेंगी। इन संबधों से डमकीं सास ससुर से भी इच्छित स्नेह की प्राप्ति करने में समर्थ हो सकती है इस प्रकार ससुराल में इनका जीवन सामान्यतया सुखी ही रहेगा।

## ससुराल-श्री

Shekhar के अपने सास ससुर से संबध विशेष अच्छे नहीं रहेंगे तथा परस्पर तनाव तथा मतभेद बने रहेंगे जिसका मुख्य कारण इन के मध्य आयु का अधिक अंतर रहेगा। इससे इनके मध्य सैद्धांतिक तथा वैचारिक मतभेद सामान्य रूप से विद्यमान रहेंगे। लेकिन यदि Shekhar तथा उनके सास ससुर परस्पर सामंजस्य को स्थापित करके व्यवहार करें तो उपरोक्त मतभेदों तथा समस्याओं में काफी न्यूनता हो सकती है।

साथ ही साले एवं सालियों से भी कई क्षेत्रों में असहमति रहेगी तथा संबध विशेष मधुर नहीं रहेंगे फलतः आपस में स्नेह सहयोग एवं सहानुभूति के भाव की न्यूनता रहेगी। अतः इन्हें चाहिए कि बुद्धिमता एवं सामंजस्य युक्त प्रवृति से मतभेदों तथा समस्याओं का समाधान करें तथा मित्रता का भाव भी रखें। इससे उपरोक्त मतभेदों में अल्पता आएगी तथा मधुर संबधों में वृद्धि भी होगी।

इस प्रकार सामान्य रूप से Shekhar के ससुराल वालों का दृष्टिकोण उनके प्रति अपेक्षित नहीं रहेगा। अतः उन्हें चाहिए कि दामाद के प्रति अपने दृष्टिकोण को विनम्र तथा सहयोग के भाव से युक्त बनाएं।

# लग्न फल

## Shekhar

आपका जन्म कृतिका नक्षत्र के प्रथम चरण में जब मेदिनीय क्षितिज पर मेष लग्न उदित था उस समय हुआ था। आपके जन्म काल धनु राशि का नवमांश एवं धनु राशि द्रेष्काण का प्रभाव पड़ रहा था। आपके जन्म प्रभाव से यह स्पष्ट हो रहा है कि आप अपना जीवन सुख पूर्वक आरामदायक वातवारण के साथ व्यतीत करेंगे।

बुनियादी तौर पर आप अपने कर्म पर विश्वास करने वाले प्राणी हैं। तथाकथित रूप से आप अपने जीवन को सेवा योग्य एवं मानवता युक्त विचार से संभावित रूप में व्यतीत करेंगे। अस्तु सह संभाव है कि आप अपने अगले पुनर्जन्म में ज्योतिर्मय आत्मा से प्रवेश करेंगे। अर्थात् वर्तमान जीवन के कार्य कलाप उत्तमता से प्रस्तुत कर संपादित करेंगे।

आप दुबले-पतले, औसतन लंबे, मांसल शरीर से युक्त, एक संयमी प्राणी होंगे। आप में अदम्य उत्साह, संभव शक्ति, संपन्न, आध्यात्मिक भावनाओं से युक्त, आत्मनिश्चयी, अपने उद्देश्य के पीछे चलने वाले तथा अपने कार्य कलापों को सीमा तक ले जाने वाले व्यक्ति हैं। आपकी यह जन्मजात प्रवृत्ति ईश्वरीय प्रदत्त है कि आप संभव प्रयत्नशील रहकर पूर्ण धन प्राप्त करके अपने कामप्रिय एवं सुखमय जीवन व्यतीत करेंगे।

आप बुद्धिमान एवं उच्चकोटि के महत्वकांक्षी सत्तालोलुप प्राणी हैं। आप में अपनी पूर्ण योजनाओं अर्थात् कार्यकलापों को व्यवस्थित ढंग से सुविधापूर्वक संचालित करने की क्षमता विद्यमान हैं। आप में दूसरा यह गुण भी विद्यमान है कि आप चाहे कोई भी कार्य शुरू करने का निश्चय करते हैं। उसको निश्चित रूप से पूरा कर लेते हैं।

आप अपनी आंतरिक चतुरता से जिस कार्य में हाथ लगाते हैं। उसको कठोरता पूर्वक ग्रहण कर अन्दरूनी समस्याओं को समाधान करने में सक्षमता प्राप्त कर सकते हैं। आप किसी भी समस्याओं का समाना करने के लिए तथा अपने उद्देश्य की प्राप्ति हेतु उसके पीछे पड़ जाते हैं। इस क्षण चाहे किसी की किसी भी प्रकार की अच्छी राय या सबक हो उसे कठोरता पूर्वक नकार देते हैं। आपको यह सहजता पूर्वक अपने-अपने कार्य के प्रति अग्रसर होना तथा परिस्थिति को नियंत्रित रखना, आपकी विशेष योग्यता का परिचायक है।

विशेषतः आपकी साहसिक प्रवृत्ति एवं अपरिवर्तनीय आकर्षण से विपरीत योनि के कोई भी सदस्य आपकी विनोदप्रियता के कारण इच्छा रख कर भी प्रेमालिंगन नही कर पाते हैं। परंतु इसका यह अर्थ नही कि आपका दांपत्य जीवन भी अस्त व्यस्त है। अर्थात् आप अपनी पत्नी के प्रति पूर्ण आस्थावान और समर्पित हैं।

आप अपनी माता के लिए सभी कुछ त्याग कर भी अपनी माता के साथ अच्छी प्रकार से तारतम्य मिलाकर अपने बच्चों एवं पत्नी को भी प्यार करते हैं। वास्तविकता तो यह है कि आपके कंधे पर पारिवारिक संपूर्ण दायित्व निर्भर है, तथा आपके द्वारा ही परिवार का प्रर्याप्त

हित संभाव है।

आप मसालेदार और रूचिकर भोजन पसंद करते और बहुत अधिक खाते हैं। स्वाभाविक रूप से बहुत भोजन करना, जिससे अच्छी पाचन क्रिया न हो वैसा भोजन आपके लिए दुःखकारक होगा। इसलिए वासी, अम्लीय खाद्य तथा अचार, मसाला युक्त व्यंजन नही ग्रहण करें। आपको सदैव और लगातार हरी शाक-सब्जी भोजन करना चाहिए। आपके लिए संचालित व्यवसाय से संबंधित विभिन्न प्रकार के कार्य, अथवा रसायनिक वस्तुओं का उत्पादन करना आपके लिए अनुकूल व्यवसाय होगा। आपको अपने स्वास्थ्य के प्रति गंभीर रूप से सतर्क रहने की आवश्यकता है। सामान्यतया छोटी मोटी कोई चोट आदि की आशंका है। दुर्घटना से आपके माथे पर कोई गंभीर चोट न लग जाए। अतः आपको अपने स्वास्थ्य के प्रति सदैव जागरूक रहना चाहिए। आपको सदैव ही भीड़-भार से बचकर अपेक्षित और सतर्कता पूर्वक पथ को पार करना चाहिए।

आपको अपने पारिवारिक चिकित्सक से समय-समय पर अपने सिरो वेदना के तकलीफ से छुटकारा पाने के लिए राय लेनी चाहिए। आपको साधारण तौर पर मस्तिष्क से संबंधित अथवा अनिद्रा जैसी छोटे रोग की संभावना है। आपको स्वस्थ जीवन बिताने के लिए संबंधित सतर्कता बरतनी चाहिए। स्वास्थ जीवन बिताने के लिए उपाय से अधिक रोग से बचाव करना श्रेयस्कर होगा।

आपके लिए मंगलवार, गुरुवार, रविवार एवं सोमवार उपयुक्त एवं भाग्यशाली दिन है। शुक्रवार, शनिवार एवं बुधवार तीन दिन आपके लिए प्रतिकूल एवं व्ययकारी होंगे।
आपके लिए व्यवहारणीय अंक 9 एवं 1 अंक भाग्यशाली अंक है।

आपके व्यवहार के लिए लाभदायक एवं अनुकूल रंग, लाल, ताम्रवर्णी, स्वर्णिम एवं पीला रंग के वस्त्रादि है। इसके अतिरिक्त काला रंग या काले रंग का वस्त्रादि आपके लिए अनुकूल नही हैं।

## Medha

ज्योतिषीय आकृति के अनुरूप आपका जन्म रेवती नक्षत्र के प्रथम चरण में मीन लग्न में हुआ था। आपके जन्म लग्नोदय काल मेदिनीय क्षितिज पर धनु राशि का नवमांश एवं कर्क राशीय द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्म की शुभ अनुकूलता मात्र प्रत्याशा पूर्वक विश्वास ही नहीं दिलाती है। बल्कि साथ-साथ आपके सांसारिक सुखों को स्वाभाविक रूप से धन लाभ से युक्त करा कर धार्मिक मानचित्र को उन्नतिशील कर रहा है।

मीन राशि आपको ज्ञात कराती है कि इस राशि के प्राणी मोक्ष प्राप्त कर उद्धार हो जाते हैं। आप अत्यंत मर्यादित एवं विश्वसनीय प्राणी है। क्योंकि आपका झुकाव धार्मिक है। आपको संतों की सेवा हेतु उत्सुक कर दिया है। आप सांसारिक सुखों में जिससे आप संबंधित हैं और उस अभिप्रायः में उन्नति कर सकती हैं। यह विषय चिंतनीय एवं निश्चित है कि आप अपने कार्य विषय में सुगमता पूर्वक लक्ष्य तक नहीं जा सकती। क्योंकि मीन राशि द्विस्वाभावात्मक स्वभाव के होते हैं जो आपके चरित्र को दो विपरीत दिशा में विभक्त करता है। आपका एक पक्ष

तो यह है कि आपकी अभिरूचि धार्मिक दर्शन के पक्ष में है। अन्य दूसरा पक्ष आपको वासनात्मक प्रवृति की ओर अभिलाषित करता है। अतएव आप स्वच्छंदता पूर्वक यह धारण कर लें कि आपको कौन सा पथ चयन करना है। मिश्रित विचार के कारण दोनों दिशाओं में से कोई भी दिशा न यहां का रहने देगा और नहीं वहां का।

आप इन विचारों से उपर उठकर उत्सुकता पूर्वक सुनिश्चित करें कि क्या आपके घरेलू जीवन में वसना सर्वथा सहायक होगी। भविष्य में आप एक अच्छे पति की पत्नी होंगी तथा आपका एक प्रसन्नतम घर भी होगा। इसकी संपन्नता के संबंध में आपको विचार करना चाहिए कि पारिवारिक सुखद वातावरण के लिए अपनी भागीदारी प्रदान करना है।

आपके संबंध में कुछ और भी लाभ जनक बिंदु यह है कि आप शीघ्रतापूर्वक रूचि कर औपचारिकता यह निभाएं कि अकर्मणयता (नपुंसकता) त्याग कर स्नेहमय वातावरण का निर्णायक बन आप अन्य लोगों की मदद करें। परंतु आप एकाएक किसी भी विषय को प्रस्तुत नहीं करें। परिस्थिति वश किसी को भी दुःख नहीं पहुंचाएं। आप सामान्य लोगों का अपना प्रिय पात्र बनाएं। अतएव आप ऐसा अनुभव नहीं करे कि अधिक आयु के हो जाने पर आपको अपनी संतान पर निर्भर रहना पड़ेगा। आप अपनी अभिलाषा यह रखें कि अपने संभव कार्य कलाप द्वारा बाद की उसमें खर्च हेतु आय का कुछ अंश को सुरक्षित कर लें। आप इसी प्रकार के कार्य उद्देश्य रखें तथा कुशाग्र बुद्धिमत्ता पूर्वक अच्छा व्यवसाय करें। इसके पश्चात् प्रायः भाग्य आपका पक्षपाती नहीं होगा।

दूसरी दृष्टि से आपकी जन्मपत्रिका में तीन निराशात्मक महत्वपूर्ण बिंदु दृश्य हो रहे हैं जो कि आपकी आयु के 17 वें, 21 वें और 24 वें वर्ष आपके लिए बहुत अधिक अनुकूल प्रमाणित नहीं होंगे अर्थात् जीवन की उपरोक्त संबंधित आयु आपके लिए प्रतिकूल फलदायी होगा। आपके लिए यह अनुग्रहणीय है कि आप इस उम्र में सतर्कता पूर्वक अग्रसर होंवे।

आपके लिए अन्य आवश्यक सुझाव यह है कि आप अपने मित्रों से भी सावधान रहें। क्योंकि इनका हाव-भाव एक घनिष्ट मित्र के जैसा होगा। जो अविश्वसनीय प्रमाणित होगा। इसलिए आप इनका गहन अध्ययन कर अथवा गंभीरता पूर्वक विचार कर, इनको अपना बनावें।

आपके लिए रंगीन समय तब होगा जबकि आप अपने व्यवहारिक जीवन में रंग गुलाबी, नारंगी एवं पीले रंग के वस्त्रादि का व्यवहार करें। परंतु नीले रंग का परित्याग करें। मात्र नीला रंग आपके हित प्रतिकूल है।

आपके लिए अंको में अनुकूल अंक 1, 3, 4 एवं 9 अंक भाग्यशाली है। एवं अंक 8 आपके लिए निश्चित रूप से खराब है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में रविवार, मंगलवार एवं गुरुवार का दिन भाग्यशाली एवं महत्वपूर्ण कार्य हेतु अनुकूल है। इसके अतिरिक्त सप्ताह के शेष दिन सर्वथा त्याज्यनीय है।

# अंक ज्योतिष फल

## Shekhar

आपका जन्म दिनांक 14 है। एक एवं चार के योग से आपका मूलांक 5 होता है। मूलांक पाँच का स्वामी बुध ग्रह है। एक अंक का सूर्य तथा चार का स्वामी भारतीय मतानुसार राहु तथा पाश्चात्य मत से हर्षल ग्रह है। इन सभी ग्रहों का न्यूनाधिक मात्रा में आपके ऊपर प्रभाव रहेगा। मूलांक स्वामी बुध के प्रभावश आप नौकरी की अपेक्षा व्यापार मार्ग का चुनाव करना अधिक पसन्द करेंगे। रोजगार आप ऐसा चुनेंगे, जहाँ लेखा, लेन-देन, वाणिज्य, यांत्रिकी जैसे कार्य संपादित हों। फैक्ट्री, कम्पनी, उच्च व्यापार जगत आपको रास आयेगा।

बुध वाणी का दाता है। सूर्य प्रसिद्धि का, हर्षल परिवर्तन का। अतः आपके अंन्दर वाक् पटुता, बुद्धि-विवेक अच्छा रहेगा एवं आपकी सामाजिक स्थिति भी अच्छी रहेगी। मूलांक के प्रभाव से आपकी आर्थिक, सामाजिक स्थितियाँ परिवर्तनशील रहेंगी एवं परिवर्तन करते रहना आपको अच्छा लगेगा।

परिवर्तनशील गुण होने से आपके विचारों में समयानुसार, अवस्थानुसार बदलाव आता रहेगा। जो कि आपकी अन्तिम अवस्था तक चलेगा। इस क्रिया का अन्त में आपको लाभ अच्छा मिलेगा और आपका यश, नाम इत्यादि दीर्घकाल तक याद किया जाता रहेगा। आप अपनी कमियों का निरन्तर निरीक्षण करते रहेंगे तो निश्चित ही आप उक्त ग्रहों के प्रभाववश एक सफल व्यक्तित्व के धनी हो जायेंगे।

## Medha

आपका जन्म दिनांक 11 है। एक एवं एक का जोड़ दो आपका मूलांक है। एक का स्वामी सूर्य एवं दो स्वामी चन्द्र है। इन दोंनो ग्रहों के गुण-अवगुण आपके व्यक्तित्व में रहेंगे। आप अनुशासन पसन्द महिला होंगी एवं अपने नाम पर धब्बा नहीं लगायेंगी। समाज में आपकी इज्जत होगी। नाम एवं यश प्राप्त करेंगी। सूर्य प्रभाव से नियमितता रहेगी। चन्द्र प्रभाव कभी-कभी मनको चंचल भी करेगा उससे बचना हितकर रहेगा अन्यथा सफलता के स्थान पर कई बार चन्द्र प्रभाव असफलता भी दे देगा। संघर्ष करना आपकी आदत बन जायेगी। अतः कभी आप एकदम उच्चता प्राप्त करेंगी तो कभी आपको थोड़ा झुकना भी पड़ेगा।

बौद्धिक स्तर आपका अच्छा रहेगा एवं ऐसे कार्य जिनमें बुद्धि का प्रयोग अधिक होता हो आपके लिये शुभ रहेगा। असफलताओं से आप निराश नहीं होंगी, क्षीण तो होंगी फिर भी हिम्मत नहीं हारेंगी और एक दिन फिर सूर्य की तरह प्रकाशित होंगी।

स्वभाव में आपके थोड़ा हठीपन रहेगा एवं क्रोध भी शीघ्र आ जाया करेगा। इन अवगुणों से बचना आपके लिये हितकर रहेगा। आपको ऐसे क्षेत्रों का चुनाव करना हितकर रहेगा, जहाँ अत्यधिक परिवर्तनशीलता न हो। सामान्य कामकाज जिन क्षेत्रों में रहे, वह आपके

लिये शुभ रहेंगे। विशेष कर बुद्धि विवेक के कार्य अधिक योगप्रद रहेंगे।

## Shekhar

भाग्यांक आठ का स्वामी शनि ग्रह को माना गया है। शनि ग्रह अति धीमा होने से तीस वर्ष में एक राशिपथ भ्रमणचक्र पूर्ण करता है। इसके प्रभाव से आपका भाग्योदय भी धीरे-धीरे होगा। आप भले ही कितनी भी गरीबी में उत्पन्न हुए हों आपका भाग्य सीढ़ी दर सीढ़ी चढ़ता चला जायेगा। इस मध्य रुकावटें भी आयेंगी, जिन्हें आप धैर्य एवं अपने श्रम से पार कर लेंगे। आलस्य एवं निराशा आपकी तरक्की की बाधाऐं रहेंगी। इन पर विजय प्राप्त करना आपकी सबसे बड़ी उपलब्धि होगी।

आप अपने कार्यक्षेत्र में काफी महत्वपूर्ण उपलब्धियों को प्राप्त करेंगे। आपकी सभी सफलताएं विध्नों से युक्त होते हुये भी आप आसानी से अपनी तरक्की के रास्ते स्वयं निर्मित कर लेंगे। आपका भाग्योदय 35 वर्ष की अवस्था के पश्चात ही होगा। बचपन की अपेक्षा मध्य तथा अन्तिम अवस्था आपके भाग्योदय में विशेष सहायक होगी। अन्तिम अवस्था आपकी अच्छी रहेगी एवं धन सम्पत्ति का पूर्ण सुख प्राप्त करेंगे।

## Medha

भाग्यांक आठ का स्वामी शनि ग्रह को माना गया है। शनि ग्रह अति धीमा होने से तीस वर्ष में एक राशिपथ भ्रमणचक्र पूर्ण करता है। इसके प्रभाव से आपका भाग्योदय भी धीरे-धीरे होगा। आप भले ही कितनी भी गरीबी में उत्पन्न हुई हों आपका भाग्य सीढ़ी दर सीढ़ी चढ़ता चला जायेगा। इस मध्य रुकावटें भी आयेंगी, जिन्हें आप धैर्य एवं अपने श्रम से पार कर लेंगी। आलस्य एवं निराशा आपकी तरक्की की बाधाऐं रहेंगी। इन पर विजय प्राप्त करना आपकी सबसे बड़ी उपलब्धि होगी।

आप अपने कार्यक्षेत्र में काफी महत्वपूर्ण उपलब्धियों को प्राप्त करेंगी। आपकी सभी सफलताएं विध्नों से युक्त होते हुये भी आप आसानी से अपनी तरक्की के रास्ते स्वयं निर्मित कर लेंगी। आपका भाग्योदय 35 वर्ष की अवस्था के पश्चात ही होगा। बचपन की अपेक्षा मध्य तथा अन्तिम अवस्था आपके भाग्योदय में विशेष सहायक होगी। अन्तिम अवस्था आपकी अच्छी रहेगी एवं धन सम्पत्ति का पूर्ण सुख प्राप्त करेंगी।